

Class 4 Link : https://youtu.be/5ppH_JBEB7I

आखिरी അവസാനത്തെ , **Last**

बारी = തവണ , **Turn**

आँसू = കണ്ണനീര് , **Tears**

डबडबाना കണ്ണനീര് നിറഞ്ഞതാവുക , **To be filled with tears**

चिढ़ाना ശോപിക്കാൻ വേണ്ടി പരിഹസിക്കുക , **To tease**

घटा = बादलों का समूह

धूल = പൊടി , **Dust**

भूरा = തവിട്ട് നിറമായ , **Brounish**

प्रसंग = സന്ദർഭം , **Context**

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया। दोनों छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचवीं तक ही था। साहिल अब तुम कहाँ पढ़ पढ़ोगी बेला?" साहिल ने पूछा। मेरे पापा कह रहे थे कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे और तुम?"

“मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।”

1. बेला और साहिल कौन-सी कक्षा में पढ़ते थे?

पाँचवीं कक्षा में पढ़ते थे।

2. बेला के पापा उसे किस पाठशाला में पढ़ाना चाहते हैं?

राजकीय कन्या पाठशाला में।

3. साहिल कहाँ पढ़ेगा?

अजमेर में, वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहकर पढ़ेगा।

“क्यों साहिल?” “पता नहीं क्यों तो यानी कि अब तुम फुलेरा में ही नहीं रहोगे?” “नहीं। तुम्हारा रिपोर्ट कार्ड दिखाना।” साहिल बेला का रिपोर्ट कार्ड देख रहा था और बेला साहिल का। आज आखिरी बारी वे एकदूसरे की कोई चीज़ को छूकर देख रहे थे।

4.बेला क्या करती थी?

साहिल का रिपोर्ट कार्ड देख रही थी।

5.साहिल क्या करता था?

बेला का रिपोर्ट कार्ड देख रहा था।

तुम्हारी आँख में आँसू क्यों आ रहे हैं बेला?” मुझे क्या पता।" बेला ने डबडबाई आँखों से हँसते हुए कहा।

6.बेला की दशा क्या है?

उसकी आँखों से आँसू आ रहे हैं।

7.उसकी आँखें कैसी थीं?

डबडबाई आँखें।

साहिल की आँखें बीरबहूटी की तरह लाल होने लगी थीं और उनमें बारिश की बूंदों-सा पानी भर गया था। बेला कहने लगी, “मैं चिढ़ाऊँ अब तुम्हें? रोनी सूरत साहिल रोनी सूरत साहिल।”

8. उनमें बारिश की बूंदों-सा पानी भर गया था। किनमें?

साहिल की आँखों में।

9.मैं चिढ़ाऊँ अब तुम्हें - रोनी सूरत साहिल रोनी सूरत साहिल यह किसने कहा?

बेला ने कहा।

बारिशें आने में डेढ़ महीना बाकी था। लेकिन यह बारिशों से पहले की बारिश का एक दिन था। आसमान में घटाँ घिरी थीं। धूल भरी तेज़ हवाएँ चल रही थीं। पानी बरस रहा था।

10.बारिशें आने में कितना महीना बाकी था?

बारिशें आने में डेढ़ महीना बाकी था।

11.उस दिन वातावरण कैसा था?

बारिश का मौसम नहीं था। लेकिन उस दिन आकाश में बादल थे। वर्षा होने की संभावना थी।

फुलेरा कस्बे की बादल छाई एक गली में पाँचवीं से छठी में चली गई एक लड़की जा रही थी। उसके भूरे बाल बीरबहूटियों के रंग के लाल रिबन से बंधे थे।

12. बेला के रिबन की तुलना किससे की है?

बेला के रिबन की तुलना बीरबहूटियों से की है।

दूसरी दिशा को जाती एक गली में पाँचवीं से छठी में गया एक ग्यारह साल का लड़का जा रहा था। इसकी पिंडली में बीरबहूटी के रंग का सा एक इंच लंबा चोट का निशान था।

13. बारिशों से पहले की बारिश का एक दिन था। कहानी के प्रसंग में यह कोसे सार्थक होता है?

यहाँ बारिश एक प्रतीक है। उसी प्रकार बादल भी। बेला और साहिल का दुख बादल के समान छाया हुआ है। साहिल की आँखों से पानी बरस रहा है। यहाँ कथाकार ने प्रकृति की रोनी सूरत और बच्चों की रोनी सूरत दोनों को दर्शाया है।

14. कहानी की घटनाओं को सूचीबद्ध करें।

- बेला और साहिल का बीरबहूटियों को खोजना।
- पैन में स्याही भरने दुकान जाना।
- सुरेंद्र जी का बेला से क्रोध प्रकट करना।
- बेला के सिर पर चोट लगना।
- साहिल के पैर पर चोट लगना।
- पाँचवीं कक्षा का रिजल्ट आना।
- बेला और साहिल का एक दूसरे से अलग होना।

15. पटकथा की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

- पटकथा के लिए एक प्रसंग चाहिए।
- स्थान और समय का उल्लेख हेना चाहिए।
- पात्र और पात्रों की आयु, वेश-भूषा, चाल-चलन आदि का उल्लेख हेना चाहिए।
- दृश्य का विवरण चाहिए।
- संवाद स्वाभाविक और पात्रानुकूल हेना चाहिए।

16. पटकथा की उपर्युक्त विशेषताओं को ध्यान से रखकर नीचे दिए प्रश्न का उत्तर लिखें।

पाँचवीं कक्षा का रिजल्ट आ गया। साहिल बेला का रिपोर्ट कार्ड देख रहा था और बेला साहिल का।

इस प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें।

स्थान - स्कूल का मैदान

समय - सुबह लगभग 10 बजे

पात्र -1 बेला - करीब ग्यारह साल की लड़की स्कूल यूनिफॉर्म में।

2 साहिल - करीब ग्यारह साल का लड़का स्कूल यूनिफॉर्म में। (साहिल और बेला एक दूसरे का रिपोर्ट कार्ड देख रहे हैं।)

बेला (दुख से) : साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे?

साहिल (दुख से): और तुम कहाँ पढ़ोगी बेला?

बेला : राजकीय कन्या पाठशाला में।

साहिल : मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे।

बेला : अब तुम यहाँ नहीं रहोगे?

साहिल : तुम्हारी आँखों में आँसू क्यों आ रहे हैं बेला?

बेला (डबडबाई आँखों से हँसकर) : मुझे क्या पता?

(साहिल की आँखें दुख से लाल होती हैं।)

Prepared by : MOHAMED ALI . K , MES HSS IRIIMBILIYAM